O **2009** माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल मु.उ.पु. 32 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकेन्डेसी

मध्यप्रदेश

1. विषय कोड 0 5 1 परीक्षा का विषय Hindi

2. परीक्षा का माध्यम ———— परीक्षा की दिनांक 20-03-09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरे — कोड: U-2002, सेट:

केन्द्र क्रमांक की सील

केन्द्र क. 681003

[redacted]

662045

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	6	8	1	5	8	3	7

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को शब्दों में लिखा जाए :–

[redacted]

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में x अंकों में x

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 01 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ————

नाम M.S. PATEL पद P.T.I.

पता/संस्था School of Excellence HARDA

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

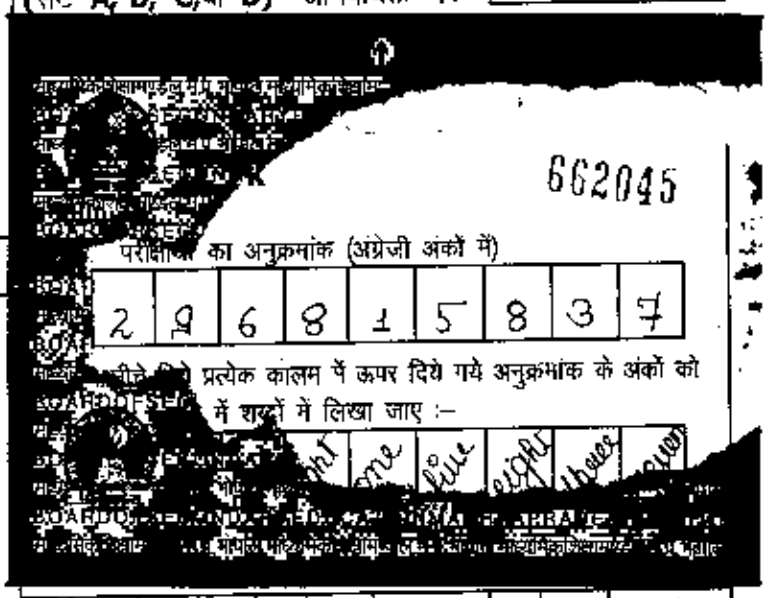

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

B S E M P

4

5

6

7

8

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिका चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 93Ku0229 दिनांक........ दिनांक........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 33 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

B S E M P

Q. 1

(i) कृष्ण

(ii) गुलाबराय

) बात ही बड़ी

iv) द्विवेदी युग के

(v) आठ

Q. 2

(i) बाबू गुलाबराय

(i) जब उनका घर जलमग्न हो गया

i) ईश्वर की ओर

ii) उपमा

(iv) गोपाल सिंह नेपाली

पृष्ठ के अंकों का योग

(v) कर्मधारय

Q.3

(i) सत्य

(ii) सत्य

) असत्य

) नह असत्य

(v) असत्य

Q.4.

(i) यशोधरा ने बसन्त कहा है -> सिद्धार्थ को

कन्याकुमारी का नाम पड़ा है -> पार्वती के नाम पर

(ii) अमीरी की तुलना मे गरीबी अधिक सुखद है -> महात्मा गाँधी

EMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(iv) अम्बुज → कमल

v) मिसाइले → पृथ्वी और अग्नि

Q.5

(i) सितम्बर माह में भी बरसात न होने के कारण त्राहि - त्राहि मची हुई थी।

(ii) सिरचन स्वयं के द्वारा बनाई हुई चिक शीतल पाटी और आसनी मानू को अच्छे उपहार में देने के लिए रेल्वे स्टेशन गया।

(iii) बीना पानी के मोती, मनुष्य और आटा महत्वहीन हो जाते हैं।

(iv) यशोधरा गौतम बुद्ध (सिद्धार्थ) की पत्नी थी।

(v) हंसिनी ने राज - काज प्रजा को सौंपने का सुझाव दिया।

BSEMI

उत्तर 6

सूर के बाल कृष्ण → "सूरदास"

यशोदा ने देवकी को यह संदेश भेजा की मैं तो कृष्ण की धाय हूँ परन्तु मेरे मन मे उसके लिए अपार प्रेम है। तम तो उसे जन्म देने वाली हो और उसकी सभी आदतों को जानती हो परन्तु मैं अपनी ममता के हाथों विवश हूँ और तुम्हे बताना चाहती हूँ कि कृष्ण को सवेरे माखन रोटी खाना अच्छा लगता है। ताता जल और उबटन देखकर वह भाग जाता है। वे कहती है कि मुझे रात दिन अपने लाल की चिन्ता लगी रहती है क्योंकि वह संकोची ~~स्भाव~~ स्वभाव का है।

उत्तर 7

बल बहादुरी – "कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

निबंधकार के अनुसार बल का उपयोग दो रूपो मे किया जा सकता है।

P
I
M
P

i) जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए
ii) जनता के अधिकारों को छिनने के लिए

बल का हमेशा सदउपयोग करना चाहिए। बल का दुरूपयोग करने से समाज में नकारात्मक प्रवृत्तियाँ बढ़ती है। इस बात को लेखक ने राम और रावण का उदाहरण देकर समझाया है। राम ने अपने बल का प्रयोग जनता के कल्याण के लिए किया इसलिए वे अमर है। रावण ने अपने बल का दुरूपयोग कर समाज का अहित किया। इसलिए कहा जा सकता है कि "सबल के बल का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है"

उत्तर 8

निष्ठामूर्ति कस्तूरबा - काकाकालेश्वर

दुनिया में शब्द और कृति नाम की दो शक्तियाँ अमोघ मानी गई हैं। कस्तूरबा

ने हमेशा कृति को सर्वश्रेष्ठ मानकर उसके नियमों का पालन कर जीवन सिद्धि प्राप्त की। उन्हें ज्ञात था कि शब्द की शक्ति ने तो संपूर्ण विश्व को अपनी शक्ति से परिचित करा रखा है परन्तु अन्तिम शक्ति तो कृति ही है। कृति का शाब्दिक अर्थ है रचना या कर्म। कर्म की श्रेष्ठता वे जानती थीं। इसलिए वे जीवन भर कृति की उपासक रहीं।

उत्तर 9

तीन बच्चे - सुभद्राकुमारी चौहान

लेखिका सुभद्राकुमारी चौहान ने 'तीन बच्चे' कहानी में तीनों बच्चों की दशा अत्यन्त दयनीय बताई है। वे तीनों बच्चे भीख माँग कर अपना गुजारा करते थे। उनके माँ - बाप जेल में थे। कपड़ों

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

के नाम पर उनके पास चिथड़े थे। ऐसा लग रहा था मानो कई दिनों से नहाए न हो। इसी करण उनके शरीर पर मैल की एक परत सी जम गई थी। वे जेल के पास एक पुल के नीचे रहते थे।

उत्तर 10.

पुस्तक - देवेन्द्र दीपक

प्राचीन काल मे नालंदा हमारे देश का सबसे बड़ा विद्या केन्द्र था। लेखक ने 'पुस्तक' नामक निबन्ध मे नालन्दा विश्वविद्यालय की कई विशेषताएँ बताई है।

i) शिक्षा के क्षेत्र मे नालंदा का बहुत दबदबा था। यहाँ दस हजार विद्यार्थी और पन्द्रह सौ आचार्य थे।

ii) आचार्य गुणमति, नागार्जुन, आचार्य ज्ञानश्री आचार्य शीलभद्र, & आचार्य स्थिरमति जैसे

आचार्यों का नाम नालंदा से जुड़ा है।

(iii) यहाँ पुस्तकालयों का एक विशिष्ठ क्षेत्र था। इसे वे धर्म गंज कहते थे। इसमे रत्नसागर, रत्नोदधि और ~~स्न~~ रत्नरंजक नामक तीन विशाल पुस्तकालय थे।

Q. 11

हम कहाँ जा रहे है

सुदर्शन प्रियदर्शिनी

कविता "हम कहाँ जा रहे है" मे कवि ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि भारतियों पर पाश्चात सभ्यता हवी है।
कवि कहते है कि विदेशियों ने वर्षो पूर्व हमारी योग साधना, धर्म और संस्कृति की चोरी की थी। आज वे उन्हीं चीजों को नया नाम देकर हमे सिखाने की कोशिश कर

BSEMP

रहे हैं। आज हमारा योग, योग बन चुका है। हमारी संस्कृति और सभ्यता की चोरी करना और नए रूप में हमें लौटाने के सम्बंध में कवि ने कहा है "उल्टे बाँस बरेली को"।

Q.12

शुक्ल युग के प्रमुख निबंधकार थे -

(i) आचार्य राम चंद्र शुक्ल
रचनाएँ :- चिन्तामणि (निबंध संग्रह)

(ii) मैथिलिशरण गुप्त

रचनाएँ -> (i) द्वापर,
(ii) साकेत

BSEMP

पृष्ठ को अंकों का योग

Q.13

(अ) मुहावरों का वाक्यों मे प्रयोग

(क) फूट - फूटकर रोना

अर्थ :- अत्याधिक दुखी होना।

वाक्य :- अपने पिताजी की मृत्यु के समाचार सुनते ही राम फूट - फूटकर रोने लगा।

(ग) हँसी खेल न होना

अर्थ -> आसान काम / बात न होना

वाक्य -> बी. ए. पास करना कोई हँसी खेल नहीं है।

B S E M P

(ब) वाक्यो को शुद्ध कीजिए

(ख) रवि के दिन छुट्टी रहती है।

(ग) मीरा सुन्दर लड़की है।

14.

(अ) युग्म शब्दो का वाक्यो मे प्रयोग।

(क) उपेक्षा - अपेक्षा

उपेक्षा → तिरस्कार
कई अमीर लोग गरीबों की उपेक्षा करते है।

अपेक्षा → इच्छा

सज्जनों से हमेशा अच्छे कामो की अपेक्षा की जाती है।

BSEMP

पृष्ठ

(स) सुत - सूत

सुत → पुत्र
मुझे अपने सुत पर गर्व है।

सूत → धागा
कच्चा सूत पूजा मे काम आता है।

(ब)

(क) आप चुप रहिए।

(ग) तुम परिश्रम करके परीक्षा मे सफल हो जाओ

B S E M P

प्र. 15 भाव पल्लवन

(i) आशा से आकाश थमा है।

आशा के आधार पर ही आधारहीन आकाश थमा हुआ है। यदी जीवन

BSEMP

मे आशा न हो तो जीवन व्यर्थ। और यदि हमारे जीवन मे आशा है तो सफलता अर्जित की जा सकती है। निराशा व्यक्ति को निष्क्रिय बना देती है। आशा से भरा व्यक्ति पुरुषार्थ करके अपने जीवन को सफल बना लेता है।

Q.16 गद्यांश की व्याख्या

विश्व एक ..... इंजन है।

संदर्भ → यह गद्य हमारी पाठ्य पुस्तक मकरंद के पाठ "मेरे सपनो का भारत" से लिया गया है एवं "डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल" कलाम द्वारा रचित है।

प्रसंग → इस गद्य मे लेखक भारत को बौद्धिक समाज मे परिवर्तित करने को कह रहे है।

व्याख्या → लेखक कहते है की विश्व एक बौद्धिक समाज बनता जा रहा है जहाँ ज्ञान की प्राप्ति और उसके प्रयोग को एक महत्वपूर्ण संसाधन माना जाता है। आज विश्व का प्रत्येक व्यक्ति विविध विषयों का ज्ञान अर्जित करना चाहता है और ज्ञान बुद्धि का विषय है। भारत भी बौद्धिक विकास करके अगले दो दशकों में विकसित देशों की श्रेणी में आ सकता है। इस बौद्धिक विकास के लिए यह जानना आवश्यक है कि हम प्रतिस्पर्धा के मामले में कहा है।

विशेष

प्र. (i) भाषा सरल एवं सहज है।
(ii) भारत के बौद्धिक विकास पर प्रकाश डाला गया है।

BSEMP

Q.17

जैसा यह ..... नाता है

संदर्भ → यह पद्य हमारी पाठ्य पुस्तक "मकरंद" की कविता "हिमालय और हम" से लिया गया है एवं गोपाल सिंह नेपाली द्वारा रचित है।

प्रसंग → इस पद में कवि ने हिमालय और भारतवासियों की समानता को बताई है।

व्याख्या → कवि कहते है जिस प्रकार हिमालय पर्वत अडिग - अविचल है उसी प्रकार भारतवासी भी अडिग है। जिस प्रकार हिमालय पर्वत धरती पर अमर है उसी प्रकार भारतवासी भी अमर है। शाश्वत है। भारतवासियों को कोई उकसा नहीं सकता। हम कभी हिंसा का सहारा नही लेते। हमारा अस्त्र - शस्त्र अहिंसा है। हम दुख मे भी

विचलित नहीं होते। हम गंगा का जल पान करने वाले भारतीय दुःख में भी मुस्कुराते रहते है। हम हमेशा हिमालय से प्रेरणा लेते रहते है। हिमालय और भारतवासियों का गहरा अंतरंग संबन्ध है।

विशेष

(i) हिमालय और भारतवासियों के सम्बन्ध का वर्णन किया गया है।

(ii) अनुप्रास अलंकार है।

Q.18

(क) उपर्युक्त पद्यांश में बरसात के मौसम का वर्णन करते हुए कवि कहते है कि सारे वन-उपवन हरे भरे दिख रहे है। बीजो में से अंकुर निकल रहे है। चारो हरियाली छा गई है। वन में मोर आनन्द में मस्त होकर नाच

BSEMP

B S E M P

रहा है। बादल भी मयूर का नृत्य देख रहे हैं।

उत्तर (ख)

उक्त पंक्तियों मे बरसात के मौसम का वर्णन हुआ है।

उत्तर (ग)
" प्राकृतिक सौन्दर्य " → उचित शीर्षक

Q.19

(क) शीर्षक → राष्ट्रीय चरित्र

~~(ख) (i) चलाना~~ /

~~(ग) राष्ट्रीय~~

~~(ख) क्रियान्वयन → चलाना / क्रियाशीलता~~
राष्ट्रीय चरित्र → राष्ट्र के नागरिकों का चरित्र
क्रियान्वयन → कार्य का रूप

योग

(20) योग पूर्व पृष्ठ 70 + पृष्ठ 20 के अंक 5 = कुल अंक 75

उत्तर (ग)

राष्ट्रीय चरित्र के विकास से ही प्रजातंत्र का विकास संभव है। चरित्र से नैतिकता का विकास होता है और नैतिकता प्रजातंत्र को सफल बनाती है। भारत अपने राष्ट्रीय ~~चा~~ चरित्र के कारण ही विश्व मे महान है।

5

BSEMP

5

पृष्ठ के अंकों का योग

Q.20 पिताजी को पत्र

शिवाजी छात्रावास,
हरदा (म.प्र.)।
दिनांक : 20-05-2009.

पूज्य पिताजी,
सादर चरण स्पर्श,
मैं यहाँ कुशलता से हूँ और आप सभी की कुशलता की कामना करता हूँ।

मुझे आपको सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि मेरी बोर्ड परीक्षा की तैयारी बहुत अच्छी चल रही। मैं सभी विषयों का नियमित अध्ययन कर रहा हूँ। मैं अपने अध्यापक की गणित और अंग्रेजी की विशेष तैयारी कर रहा हूँ।

माता जी को प्रणाम और सोनू को प्यार।

आपका प्रिय पुत्र
अ. ब. स.

BSEMP
५

५
पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न 23

समय का महत्त्व

प्रस्तावना → काल को दुनिया मे सबसे शक्तिशाली माना गया है। समय को न आज तक कोई बदल पाया है न रोक पाया है। इसमे किसी भी प्रकार का परिवर्तन सम्भव नही है। अपनी गति से चलता हुआ समय बीतता चला जाता है और इसके साथ ही पल क्षण, घंटे, ऋतुओ और वर्षो का आना जाना लगा रहता है।

समय का महत्त्व → समय के गुरु ने इसे सिर्फ जाना ही सिखाया है आना नही। बहते पानी की तरह जो एक बार चला गया वापस लौट कर नही आता। असी प्रकार समय भी एक बार बीत गया वापस नही आ सकता। समय वह धन है जिसकी एक-एक कौडि कौडि की कीमत की है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

किसी व्यक्ति की असफलता में उ समय आघात नहीं बल्की समय धन का दुरूपयोग कारण हो सकता है। कबीर ने आलसी मनुष्यों को चेतावनी देते हुए लिखा है

रात गवाई सोय कर
दिवस गवाया खाय
हीरा जन्म अनमोल था
मोती बदले जाए

समय का सदुपयोग → समय का सदुपयोग ही मनुष्य की सफलता की कुंजी है। ईश्वर चंद्र विद्यासागर हमारे देश के महान व्यक्ति रह चुके है। उन्होंने पहाड़ो और पत्थरों को देख देख कर गिनती सिख ली थी। महात्मा गांधी, पं जवाहरलाल नेहरू जैसे लोगों ने कारावास में भी अपना समय व्यर्थ नहीं किया। उन्होंने जेल मे बैठे - बैठे कई महान ग्रंथों की रचना की जो आज विश्व साहित्य की नीधि है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

इनके जीवन से विद्यार्थी वर्ग को प्रेरणा लेना चाहिए। विद्यार्थियों को अपना समस्त कार्य एक निश्चित नियंत्रण के अनुसार करना चाहिए। प्रत्येक विषय का अध्ययन निश्चित समय पर करना चाहिए। यदि अध्ययन के बाद कुछ समय मिले तो बड़ों की सेवा करना चाहिए।

आलस्य - समय का सबसे बड़ा शत्रु आलस्य समय का सबसे बड़ा शत्रु है। प्रायः देखा गया है कि लोग आलस्य वस अपना समय सोने में और शतरंज, ताश आदि व्यसनमय खेलों में गवा देते है।
गाँधी जी ने कहा था "समय को मत गवाओ अन्यथा समय तुम्हे गवा देगा।"

समय धन का आदर अंग्रेज करते थे इसलिए आज वे प्रगति के पथ पर है। समझ नहीं आता की भारतीयों में निरुद्यमता कहाँ

BSEMP

[ ]
पृष्ठ के अंकों का योग

से आ गई। हमारी उद्योग गति का प्रमुख कारण यही है।

उपसंहार → समय सूझका पिता है। समय धन का जो आदर करते हैं, समय भी उनका आदर करता है। समय उनको प्रगति के पथ पर लाकर खड़ा कर देता है। समय का सदुपयोग करने वाला व्यक्ति ही जीवन में प्रगति कर सकता है। किसी अंग्रेजी विचारक ने कहा है -

समय को शुद्र न समझो भाई,
यह जग का निर्माता है।

ISEMP

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 26 के अंक = कुल अंक

BSEMP

के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 27 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 28 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 29 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 30 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 31 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 32 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग